HNE- 6 आधुनिक हिंदी काव्य Lect. Marks

Adhunik Hindi Kavya ISA SEA

आधुनिक काल की पूर्वपीठिका : (19 वीं शती के आरंभ से) 75 20 80

क) राजनीतिक , सामाजिक , सांस्कृतिक और साहित्यिक परिवेश।

ख) नवजागरण – (1757- 1857)

आर्य समाज, प्रार्थना समाज, ब्रह्म समाज, रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकल सोसायटी , अहमदी आंदोलन , फोर्ट विलियम कॉलेज , 1857 का राष्ट्र संघर्ष।

(भाषा, शिक्षा और साहित्य के आधुनिकीकरण का संदर्भ देना आवश्यक है।)

1) i) आधुनिक हिंदी काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ :-

भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग , छायावाद , प्रगतिवाद, प्रयोगवाद

ii)नई कविता एवं समकालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ

2) सामान्य परिचय

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, अयोध्यासिंह उपाध्याय ' हरिऔध' , मैथिलीशरण गुप्त , जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी ' निराला' , महादेवी वर्मा, नागार्जुन, अज्ञेय, मुक्तिबोध, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, कीर्ति चौधरी, अरूण कमल, राजेश जोशी।

3) विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित कवि की कविताएँ :

पाठ्य पुस्तक - केदारनाथ सिंह – प्रतिनिधि कविताएँ

सम्पादक- परमानन्द श्रीवास्तव ,

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

कविताएँ –

1. यह पृथ्वी रहेगी , 2. मैंने गंगा को देखा, 3. बनारस , 4. बोझे , 5. रोटी , 6. हाथ, 7. मुक्ति, 8. जनहित का काम , 9.टूटा हुआ ट्रक, 10.बुनाई का गीत, 11.टमाटर बेचनेवाली बुढ़िया, 12.एक ठेठ देहाती कार्यकर्ता के प्रति, 13.सन् ४७ को याद करते हुए , 14. दो मिनट का मौन

15.उस आदमी को देखो, 16.ऊँचाई , 17. फ़र्क नहीं पड़ता , 18.एक पारिवारिक प्रश्न , 19.सुई और धागे के बीच में , 20.वसन्त

4. द्रुत पाठ - राजेश जोशी के 'दो पंक्तियों के बीच ' काव्य-संग्रह से किन्हीं पाँच कविताओं का अध्ययन।

प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ –

हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल

हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ.बच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य –उद्भव एवं विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र

हिन्दी साहित्य –युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ.शिवकुमार शर्मा

हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - वासुदेव सिंह

HNE- 7- अनुवाद एवं पत्रलेखन	Lect.	Marks	
Anuvad Evam Patralekhan		ISA	SEA
अनुवाद	75	20	80

क) सैध्दांतिक पक्ष :

अनुवाद – अवधारणा, स्वरूप, प्रकार एवं प्रक्रिया।

ख) व्यावहारिक पक्ष :

i)शब्दानुवाद : 100 अंग्रेजी शब्दों का हिन्दी में अनुवाद

ii) दस वाक्यों के अंग्रेजी अनुच्छेदों का हिंदी अनुवाद।

प्रशासनिक अनुवाद , साहित्यिक अनुवाद (गद्य) , वाणिज्यिक अनुवाद का व्यावहारिक प्रयोग।

1. पत्राचार –

अ) आवेदन पत्र - नौकरी , वेतनवृध्दि , अवकाश एवं पदोन्नति।

आ) शिकायती पत्र - निजी, सार्वजनिक एवं अनुस्मारक।

इ) संपादक के नाम पत्र - रपट, अपील।

ई) कार्यालयीन - नियुक्ति-पत्र, परिपत्र , कार्यवृत्त, अधिसूचना।

उ) व्यावसायिक पत्र – पुस्तकादेश , एजेंसी प्राप्ति के लिए पत्र , माल के आदेश के लिए पत्र आदि।

संदर्भ -

प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र

प्रयोजनमूलक हिंदी – प्रासंगिकता एवं परिदृश्य- डॉ.सु.नागलक्ष्मी

मीडिया लेखन- सिध्दांत एवं व्यावहार – डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी- अधुनातन आयाम- डॉ.अंबादास देशमुख

प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ.विनय गोदरे

प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन – डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ

सरकारी बैंकों एवं कार्यालयों में प्रयोजनशील हिंदी – डॉ.अनिल कुमार तिवारी

T.Y.B.A. Hindi (Elective) Syllabus

Semester V 2016-17

HNE- 5- हिंदी साहित्य : आदिकाल एवं भक्तिकाल Lect. Marks

Hindi Sahitya : Aadikaal Evam Bhaktikaal ISA SEA

75 20 80

1. आदिकाल : परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ।
   - क) राजनैतिक , सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश एवं उनका तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव।
   - ख) रासो काव्य – परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ।
   - ग) जैन , सिध्द-नाथ साहित्य : काव्य परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ।

2. भक्तिकाल : उद् भव , विकास , परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ :
   - क) राजनैतिक , सामाजिक, धार्मिक , सांस्कृतिक परिवेश एवं उनका तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव।
   - ख) निर्गुण काव्यधारा (संत एवं सूफी) सामान्य प्रवृत्तियाँ।
   - ग) सगुण काव्य धारा (राम एवं कृष्ण) सामान्य प्रवृत्तियाँ।

3. रचना एवं रचनाकार – सामान्य परिचय
   - क) पउम चरिउ – स्वयंभु ,दोहाकोश – सरहपा , गोरखबानी – गोरखनाथ , पृथ्वीराज रासो – चन्द बरदाइ
   - ख) कबीर , मलिक मुहम्मद जायसी , सूरदास, तुलसीदास, रैदास, मीराबाई।
   - ग) विशेष अध्ययन : कबीर के 30 दोहे एवं 15 पद (संदर्भ – पाठ्य पुस्तक से)

4. द्रुत पाठ –
   - क) मीराबाई के 10 पद। (संदर्भ पाठ्य पुस्तक से)

संदर्भ ग्रंथ –

हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचंद्र शुक्ल

हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ.बच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य –उद्भव एवं विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र

हिन्दी साहित्य –युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ.शिवकुमार शर्मा

हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - वासुदेव सिंह

T.Y.B.A. Hindi (Elective) Syllabus

Semester VI

- HNE- 11- हिंदी साहित्य : रीतिकाल Lect. Marks

Hindi Sahitya : Ritikal ISA SEA

1. रीतिकाल : उद्भव, विकास, परिवेश एवं सामान्य प्रवृत्तियाँ 75 20 80

क) राजनैतिक , सामाजिक , धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिवेश का तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव।

ख) रीतिबध्द , रीतिसिध्द एवं रीतिमुक्त काव्य : सामान्य विशेषताएँ

2. छंद – मात्रिक- चौपाई, रोला, हरिगीतिका

वर्णिक – इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा , कवित्त , सवैया , भुजंगप्रयात , द्रुत विलंबित।

अलंकार – प्रतीप, अपह्नुति , अतिशयोक्ति, विरोधाभास, मानवीकरण , भ्रांतिमान।

3. रचना एवं रचनाकार : सामान्य परिचय

बिहारी, मतिराम, देव, पद्माकर, घनानंद एवं भूषण

बिहारी के दस दोहे एवं अन्य रचनाकारों के पाँच छंद

4. द्रुत पाठ – रहीम के संकलित 20 दोहे

संदर्भ ग्रंथ -

हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचंद्र शुक्ल

हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ.बच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य –उद्भव एवं विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र

हिन्दी साहित्य –युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ.शिवकुमार शर्मा

हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - वासुदेव सिंह

HNE- 12-आधुनिक हिंदी गद्य Adhunik Hindi Gadya	Lect.	ISA	Marks SEA
आधुनिक हिंदी गद्य का उद्भव एवं विकास।	75	20	80

1. I) कथा साहित्य – कहानी एवं विकास।
   ii)निबंध साहित्य।
   iii)नाटक एवं रंगमंच।

2. निम्नलिखित प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाओं का सामान्य परिचय।
भारतेन्दु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल , प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद , सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय ' , हजारी प्रसाद द्विवेदी , मोहन राकेश, कमलेश्वर, राजेन्द्र यादव , मन्नू भंडारी , ऊषा प्रियंवदा, प्रभा खेतान, मृदुला गर्ग , सुरेन्द्र वर्मा , शंकर शेष।

3. विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित नाटक।
कबीरा खड़ा बाज़ार में - भीष्म साहनी
राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली।

4. द्रुत पाठ - ममता कालिया का 'दौड़' उपन्यास, वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ -

हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचंद्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ.बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य –उद्भव एवं विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य –युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ.शिवकुमार शर्मा
हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - वासुदेव सिंह

HNE- 13 निबंध एवं जनसंचार माध्यम लेखन	Lect.	Marks	
Nibandh Evam Janasanchar Madhyam Lekhan		ISA	SEA
	75	20	80

1. निबंध – राजनैतिक, सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और प्रसिध्द उक्तियों पर आधारित।

2. प्रूफ शोधन – प्रूफ के भेद, प्रूफ रीडर के कर्तव्य, प्रूफ शोधन के चिह्न, प्रूफ-पठन का व्यावहारिक पक्ष।

3. साक्षात्कार लेखन - स्वरूप (तत्व) , प्रकार एवं प्रक्रिया।

4. पुस्तक समीक्षा - समीक्षा के प्रकार एवं प्रक्रिया। सैध्दांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष

5. समाचार लेखन – प्रक्रिया (मुद्रण माध्यम)।

6. वृत्तचित्र – स्वरूप , भेद एवं प्रक्रिया।

संदर्भ ग्रंथ -

प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र
प्रयोजनमूलक हिंदी – प्रासंगिकता एवं परिदृश्य- डॉ.सु.नागलक्ष्मी
मीडिया लेखन- सिध्दांत एवं व्यावहार – डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र
प्रयोजनमूलक हिन्दी- अधुनातन आयाम- डॉ.अंबादास देशमुख
प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ.विनय गोदरे
प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन – डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ
पटकथा लेखन – एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी